TDC Even Semester Exam., 2019

HINDI

(Honours)

(4th Semester)

Course No. : HINH–402

(Sagun Bhakti Kavya)

Full Marks : 50
Pass Marks : 17

Time : 2 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए

1. ''सूरदास वात्सल्य रस के सम्राट हैं।'' इस कथन की सार्थकता सिद्ध कीजिए। 10

अथवा

भ्रमरगीत परम्परा में सूरदास का योगदान स्पष्ट कीजिए।

2. तुलसीदास के समन्वयवाद पर विचार कीजिए। 10

अथवा

तुलसीदास के काव्य-सौष्ठव का विवेचन कीजिए।

3. मीराबाई की काव्यानुभूति पर प्रकाश डालिए। 10

अथवा

कृष्णभक्ति काव्य परम्परा में मीराबाई का योगदान स्पष्ट कीजिए।

4. निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी **एक** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 10

(क) मेरो मन अनत कहाँ सुख पावै।
जैसे उड़ि जहाज की पंछी, फिर जहाज पर आवै।
कमल नैन को छाड़ि महातम, और देव को ध्यावै।
परम गंग को छाड़ि पियासौ, दुरमति कूप खनावै।
जिहि मधूकर अंबुज-रस चाख्यौ, क्यों करीलफल भावै।
सूरदास-प्रभु कामधेनु तजि, छेरि कौन दुहावै।

(ख) ऐसी मूढ़ता या मन की।
परिहरि समभगति सुरसरिता आस करत ओसकन की
धूम समूह निरखि चातक ज्यों तृषित जानि मति घन की
नही तहँ सीतलता, न बारि, पुनि हानि होति लोचन की।

(ग) करम गत टारे नांहि टरे।
सतवादी हीरचंद से राजा, सो नीच घर नीर भरे।
पाँच पाँडु, अरु सती द्रोपदी, डाह हिमाले गेर।
जग्य कियो बलि लेण इंद्रासन, सो पाताल धरै।
मीरा के प्रभु गिरिधर नागर, बिस से अम्रित करै।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए : 5×2=10

(क) भ्रमरगीत की विशेषताएँ

(ख) तुलसीदास के राम

(ग) 'अजेयरथ' की मूल संवेदना

(घ) मीरा की विरहानुभूति

★★★